बर्ड फ्लू: तथ्य और दिशानिर्देश

बर्ड फ्लू, या एवियन फ्लू, या एवियन इन्फ्लूएंजा (एआई) एक संक्रामक प्रकार का इन्फ्लूएंजा है जो पक्षियों में फैलता है। दुर्लभ मामलों में, यह मनुष्यों को प्रभावित कर सकता है।

मुख्य तथ्य

१. बर्ड फ्लू इन्फ्लूएंजा टाइप A वायरस के कारण होता है। बर्ड फ्लू वायरस के बहुत सारे विभिन्न उपभेदों (स्ट्रेन) हैं। उनमें से ज्यादातर इंसानों को संक्रमित नहीं करते हैं। लेकिन बर्ड फ्लू के मुखयतः 4 उपभेद हैं: H5N1, H7N9, H5N6 और H5N8, जो हाल के वर्षों में चिंता का कारण बना हुआ है।

२. इन्फ्लूएंजा A वायरस के अधिकांश उपप्रकारों के लिए जलीय पक्षी प्राथमिक प्राकृतिक संग्रह हैं। वायरस घरेलू मुर्गी और अन्य पक्षियों और पशु प्रजातियों को संक्रमित कर सकता है। एवियन फ्लू वायरस आम तौर पर मानव को संक्रमित नहीं करता है। हालांकि, एवियन फ्लू वायरस के साथ छिटपुट मानव संक्रमण हुआ है।

३. इन्फ्लुएंजा A (H5N1 & H7N9) के अधिकांश मानवीय मामले संक्रमित या मृत मुर्गे के साथ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संपर्क से जुड़े होते हैं।

४. मानव संक्रमण प्राथमिक रूप से संक्रमित जानवरों या दूषित वातावरण के साथ सीधे संपर्क के माध्यम से प्राप्त किया जाता है। इन्फ्लुएंजा A का वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में कम फैलता है और जब कभी फैला भी है तो यह सीमित और अक्षम होता है ।

५. इन्फ्लूएंजा वायरस, जलीय पक्षियों में विशाल मौन जलाशय के साथ, मिटाना असंभव है। सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम को कम करने के लिए, पशु और मानव आबादी दोनों में गुणवत्ता निगरानी, प्रत्येक मानव संक्रमण और जोखिम आधारित महामारी नियोजन की गहन जांच आवश्यक है।

वायरस और लक्षणों का विचरण

१. सीधा संपर्क

१. यह विचरण का सबसे मुख्य वजह है ।
२. संक्रमित पोल्ट्री से निपटने, और खाने के लिए पोल्ट्री तैयार करना जोखिम कारक होने की संभावना है।

ध्यान दें:

१. पका हुआ चिकन और अंडा खाने से बर्ड फ्लू नहीं फैलता है ।
२. मानव से मानव मे यह रोग अत्यंत दुर्लभ स्थिति मे ही फैलता है। भले ही यह संचरित हो, संक्रमण सीमित और अक्षम प्रकार का होता है।
३. बर्ड फ्लू का कोई टीका नहीं है। आम इन्फ्लूएंजा के टीके बर्ड ब्लू से बचाव नहीं करते हैं।

२. दूषित सतह

१. पोल्ट्री शेड और स्लॉटर हाउस के दूषित फर्श विषाणु को फैला सकते है।
२. हवारूपीय वाइरस पंखों को फड़फड़ाने एवं/अथवा फर्श को खरोंचने से उत्पन्न किया जा सकता है।
३. बर्ड फ्लू के वायरस के साथ मानव संक्रमण तब हो सकता है जब पर्याप्त वायरस किसी व्यक्ति की आंख, नाक या मुंह में चला जाता है या साँस लिया जाता है।

बर्ड फ्लू के लक्षण

बर्ड फ्लू के मुख्य लक्षण बहुत जल्दी (3-5 दिन) प्रकट हो सकते हैं और इसमें शामिल हैं:

१. बहुत अधिक तापमान या गर्माहट महसूस करना ।
२. मांसपेशियों में दर्द ।
३. सिरदर्द।
४. अन्य शुरुआती लक्षणों में शामिल हो सकते हैं: दस्त, कमजोरी, पेट में दर्द, सीने में दर्द, नाक और मसूड़ों से रक्तस्राव, नेत्रश्लेष्मलाशोथ।

द्वारा जारी: पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन संकाय, शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय एवं प्रोद्योगिकी-जम्मू आर एस पूरा जम्मू १८११०२

एवियन इन्फ्लूएंजा के खतरे का जवाब

अनुशंसित क्रियाएँ

मुर्गीपालन करने वाले किसान के लिए

इसका समाधान जैव-सुरक्षा है ।

१. मुर्गी फार्म में प्रवेश करते समय लोगों को जूते और कपड़े कीटाणुरहित या बदल देना चाहिए।
२. मुर्गी फार्म को मुर्गी के मल-मूत्र से मुक्त रखा जाना चाहिए जिससे वायरस फैल सकता है।
३. मृत पक्षियों को हटा दिया जाना चाहिए और स्वस्थ पक्षियों को वायरस के संक्रामण से बचने के लिए जमीन में गहराई से दफनाया जाना चाहिए या जला देना चाहिए।
४. अन्य पोल्ट्री फार्मों में वायरस के संचरण से बचने के लिए फार्म के कपड़े, उपकरण और परिवहन उपकरण नियमित रूप से कीटाणुरहित होने चाहिए।
५. पोल्ट्री फार्म में आने और जाने वाले पानी और हवा को फ़िल्टर किया जाना चाहिए।
६. किसानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वन्यजीव और मुर्गी सख्ती से अलग अलग रखे जाएं। जंगली पक्षियों या अन्य जानवरों का पोल्ट्री के पानी और भोजन तक पहुंच नहीं होनी चाहिए।
७. फार्म और गोदाम में प्रवेश के समय हमेशा फुट डिप्स का उपयोग करें।
८. पोल्ट्री कूड़े को सूखा रखें और मक्खी मुक्त रखे, गीले कूड़े और मक्खी/मैग्गोट लार्वा जंगली पक्षियों को आकर्षित करते है।
९. पक्षियों को किसी भी प्रकार की बीमारी की तुरंत नजदीकी पशु चिकित्सा केंद्र में रिपोर्ट करें।

पोल्ट्री डीलर / कत्लखाने

१. खोजबीन सुनिश्चित करने के लिए खुदरा विक्रेताओं को पोल्ट्री पक्षियों के स्रोत और आपूर्ति के ट्रैक का उचित रिकॉर्ड रखें।
२. मृत पक्षियों को उपभोक्ता को न बेचें और न ही उन्हें खुले में रखें। मृत पक्षियों को जला देना चाहिए या जमीन में गाड़ देना चाहिए।
३. मुर्गी के गंध और मारे हुये भाग को ध्यान से और निर्दिष्ट स्थानों पर ही फेंके, खुले में उनके कभी नहीं फेंके।
४. पक्षियों को किसी भी प्रकार की बीमारी की सूचना तुरंत नजदीकी पशु चिकित्सा केंद्र में दें।

पशुपालन विभाग, जम्मू और कश्मीर का केन्द्र शासित प्रदेश

१. भारत सरकार द्वारा जारी बर्ड फ्लू की तैयारी, नियंत्रण और खतरे के लिए पशुपालन की कार्य योजना का कड़ाई से पालन किया जाएगा।
२. पशुओं के संक्रामक और संक्रामक रोगों की रोकथाम और नियंत्रण अधिनियम २००९ के प्रावधानों का कड़ाई से पालन करे।
३. लखनपुर चेक पोस्ट पर सभी पोल्ट्री आयात का कठोर निरीक्षण करे।
४. सभी पोल्ट्री इकाइयों और बिक्री बिंदुओं की जाँच सुनिश्चित करने के लिए जिला निगरानी समिति का गठन तुरंत किया जाना चाहिए।

क्या करे

१. अच्छी श्वसन स्वच्छता: रखे और खांसी या छींक आने पर मुंह और नाक को ढंकना, फ़ेस मास्क का उपयोग करना और उन्हें सही तरीके से फेंकना।
२. पोल्ट्री मांस और अंडे की अच्छी तरह से जाँच करें।
३. कच्चे मुर्गी और अंडे को लेने से पहले और बाद में, अपने हाथों को गर्म पानी और साबुन से धोएं।
४. पक्षियों के संपर्क में आने के बाद साबुन और पानी से अच्छी तरह से हाथ धोएं।
५. नियमित व्यायाम के साथ पौष्टिक आहार भी लें।
६. पक्षीयों की असामान्य मौत या पक्षियों की बीमारी की सूचना निकटतम पशु चिकित्सालय को तुरंत दें।

क्या न करें

१. कच्चे या अधपके मुर्गे का मांस या अंडा न खाएं।
२. तस्करी वाले मुर्गे का मांस कभी न खरीदे और ना ही उन्हें खाये।
३. जंगली या प्रवासी पक्षियों के संपर्क से बचें। जंगली पक्षियों का पीछा या हत्या न करें।
४. पूर्ण सुरक्षात्मक उपकरण पहने बिना पोल्ट्री फार्म का दौरा न करें।
५. मांस का भंडारण करते समय, यहां तक कि फ्रिज में, पके हुए मांस के पास कच्चा मांस न रखें।

पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन संकाय
शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय एवं प्रोद्योगिकी-जम्मू
आर एस पूरा जम्मू १८११०२; Web: www.skuast.org